।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

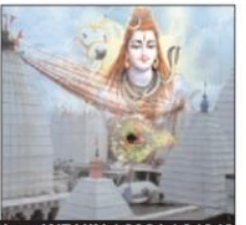

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 कार्तिक अमावस्या, 1-15 नवम्बर 2024 (1-15 Nov. 2024), • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 12 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

डिजिटल अरेस्ट कैसे किया जाता है? पार्सल, गिफ्ट और वाट्सएप कॉल पर असली सा दिखने वाला अधिकारी; क्या है पूरा खेल?

नई दिल्ली : देश भर में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ता जा रहा है। इन दिनों साइबर ठग धोखाधड़ी के लिए डिजिटल अरेस्ट स्कैम कर रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के जरिये करोड़ो रुपये का चूना लगा रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चिंता जता चुके हैं। साथ ही इस तरह के स्कैम से सतर्क रहने के लिए देशवासियों को आगाह किया। क्या आप जानते हैं कि डिजिटल अरेस्ट क्या है? डिजिटल अरेस्ट की पहचान कैसे करें और इससे बचने के लिए क्या करें?

डिजिटल अरेस्ट एक साइबर स्कैम है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वाट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित इमोशनली और मेंटली टार्चर करते हैं।

यकीन दिलाते हैं कि ऊनके सा उनके परिजन के साथ कुछ बुरा हो चुका है या होने वाला है। सामने बैठ व्यक्तिपुलिस की वर्दी में होता है, ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं और ऊनके जाल में फंसते चले जाते हैं। आसान भाषा में कहा जाए तो डिजिटल अरेस्ट में फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डरा-धमकाकर उनसे बड़ी रकम वसूली जाती है।

डिजिटल अरेस्ट का खेल कैसे खेला जाता है? ■अनजान नंबर से व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आती है। ■किसी में फंसने या परिजन के किसी मामले में पकड़े जाने का जानकारी दी जाती है। ■धमकी देकर वीडियो कॉल पर लगातार बने रहने के लिए मजबूर किया जाता है। ■स्कैमर्स मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स का धंधा या अन्य अवैध गतिविधियों का आरोप लगाते हैं। ■पीड़ित को परिवार या फिर किसी को भी इस बारे में कुछ न बताने की धमकी दी जाती है। ■वीडियो कॉल करने वाले व्यक्ति का बैकग्राउंड पुलिस स्टेशन जैसा नजर आता है। ■पीड़ित को लगता है कि पुलिस उससे ऑनलाइन पूछताछ कर रही है या मदद कर रही है। ■केस को बंद करने और गिरफ्तारी से बचने के लिए मोटी रकम की मांग की जाती है।

डिजिटल अरेस्ट को कैसे पहचानें?

■डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने के लिए सतर्कता की जरूरत है। ■अगर आपके पास किसी अनजान नंबर से कोई फोन या

व्हाट्सएप कॉल आती है तो रिसीव करते वक्तमुंबई पुलिस की एडवाइजरी को याद रखें। ■ पुलिस अधिकारी कभी भी अपनी पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। ■पुलिस अधिकारी कभी भी आपको कोई एप डाउनलोड करने के लिए नहीं कहेंगे। ■ पहचान पत्र, की कॉपी और गिरफ्तारी वारंट ऑनलाइन नहीं साझा नहीं किया जाएगा। ■पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं करते हैं। ■पुलिस अधिकारी कॉल पर पैसे या पर्सनल जानकारी देने के लिए डराते-धमकाते नहीं हैं। ■पुलिस कॉल के दौरान अन्य लोगों से बात करने से नहीं रोकती है। ■कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है, क्राइम करने पर असली वाली गिरफ्तारी होती है।

डिजिटल अरेस्ट से कैसे बचें?

भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-एन) ने लोगों को डिजिटल अरेस्ट से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। 1. सतर्क रहे, सुरक्षित रहें। कोई भी सरकारी जांच एजेंसी आधिकारिक संचार के लिए वॉट्सएप या स्काइप जैसे प्लेटफॉर्म्स का उपयोग नहीं करतीं। जबकि ऑनलाइन ठग इन्हीं का इस्तेमाल कर रहे हैं। शुरु आत में शक होने पर तुरंत फोन काट दें। फोन पर लंबी बातचीत करने से बचें। 2. इन्फोर करें। साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के लिए पीड़ितों को फोन कॉल, ई-मेल से संदेश भेजते हैं। बताते हैं कि आप मनी लॉन्ड्रिंग या चोरी जैसे अपराधों के तहत जांच के दायरे में हैं। ऐसे किसी कॉल और ई-मेल पर ध्यान न दें। 3. घबराएं नहीं। साइबर ठग कॉल पर बातचीत के दौरान गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई की धमकी देते हैं। उनकी बातचीत और फर्जी तर्कों से घबराना नहीं है। न ही बैंक डिटेल व यूपीआई आईडी शेयर करनी है। 4. जल्दबाजी करने से बचें। कॉल या वीडियो कॉल पर ठगों के सवालों और तर्कों का जवाब देने में जल्दबाजी न करें। शांत रहें, सिर्फ सुनें। अनजान नंबरों से आए सामान्य और वीडियो कॉल पर भी कोई निजी जानकारी न दें। 5. साक्ष्य जुटाएं। कॉल के स्क्रीनशॉट या वीडियो रिकॉर्डिंग सेव करें ताकि आवश्यक होने पर उपयोग कर सकें। 6. फिशिंग से बचें। कॉल के अलावा ई-मेल के जरिए ऐसे संदेश भेजे जा रहे हैं, जो अविश्वसनीय लगते हैं, ये फिशिंग के मामले हैं। इसमें ठग आपके कंप्यूटर तक पहुंचकर व्यक्तिगत जानकारी चुराते हैं। 7. धोखाधड़ी को रिपोर्ट करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 या वेबसाइट cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

देव दिवाली क्यों मनाते हैं, क्यों कहते हैं इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा को देव दिवाली के रूप में मनाते हैं। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। इस उपलक्ष्य में लोग दीपदान करते हैं और इसे देवताओं की दिवाली कहते हैं। कार्तिक पूर्णिमा को स्नान और दान का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन स्नान और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। देव दिवाली के दिन काशी यानी वाराणसी में एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। इस दिन काशी के सारे घाट रोशनी से जगमगा उठते हैं। हजारों लोग घाटों पर दीये जलाते हैं और गंगा नदी में दीपदान करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा जाता है। आइए, विस्तार से जानते हैं देव दिवाली क्यों मनाते हैं और क्यों कहा जाता है इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा और क्या है देव दिवाली की कथा। देव दिवाली की कथा महाभारत के कर्णपर्व में मिलती है। देव दिवाली की इस कथा के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था। त्रिपुरासुर तारकासुर के तीन पुत्र थे - तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली। अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए उन्होंने ब्रह्मा जी से अमरता का वरदान मांगा, लेकिन उन्हें मना कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने एक ऐसा वरदान मांगा जिससे उनकी मृत्यु लगभग असंभव हो जाए। उन्होंने वरदान मांगा कि उनकी मृत्यु केवल तभी हो जब तीनों अभिजित नक्षत्र में एक पंक्ति में हों और कोई उन्हें एक ही बाण से मार दे। वरदान पाकर त्रिपुरासुर बहुत शक्तिशाली हो गए और उन्होंने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरू कर दिया। वे जहां भी जाते, लोगों और ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करते थे। देवता भी उनके अत्याचारों से परेशान हो गए और उन्होंने भगवान शिव से 'त्राहिमाम-त्राहिमाम' कहना शुरू कर दिया। भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध करने का संकल्प लिया। त्रिपुरासुर के वध के लिए, भगवान शिव ने एक दिव्य रथ का निर्माण किया। उन्होंने पृथ्वी को रथ बनाया, सूर्य और चंद्रमा को पहिए बनाया और मेरु पर्वत को धनुष बनाया। भगवान विष्णु बाण बने और वासुकी नाग धनुष की डोर बने। फिर भगवान शिव उस असंभव रथ पर सवार हुए और अभिजित नक्षत्र में जब तीनों पुरियां एक सीध में आईं, तो उन्होंने एक ही बाण से तीनों पुरियों को भस्म कर दिया। इस प्रकार, तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली - त्रिपुरासुर का अंत हुआ। त्रिपुरासुर के वध के बाद भगवान शिव 'त्रिपुरारी' के नाम से प्रसिद्ध हुए।

त्रिपुरासुर के वध का दिन कार्तिक पूर्णिमा का दिन था। देवता भगवान शिव की इस विजय से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने भगवान शिव की नगरी काशी में दीप दान कर खुशियां मनाईं। कहा जाता है कि तभी से कार्तिक पूर्णिमा को 'देव दिवाली' कहा जाने लगा क्योंकि सभी देवता पृथ्वी पर आकर दिवाली मनाने आए थे। देव दिवाली पर शिव की नगरी काशी यानी वाराणसी में एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। देव दिवाली पर गंगा के तट पर असंख्य दीए जलाकर देव दिवाली मनाई जाती है।

भारतीय सेना ने मनाया केपांग ला दिवस

इटानगर : भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के उपरी सियांग जिले गेलिंग में केपांग दिवस मनाया। इस दौरान भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। एक विज्ञप्ति में सेना ने बताया कि यह दिवस रविवार को चीन के साथ युद्ध के दौरान भारतीय सेना के साथ मजबूती से खड़े रहने वाले ग्रामीणों की याद में मनाया गया। इन ग्रामीणों की वीरगाथा को भी याद किया गया। सियांग घाटी में केपांग ला दर्रा भारत की शौर्य विरासत का अभिन्न हिस्सा है। केपांग ला भारतीय सैनिकों और ग्रामीणों के बलिदान का साझा प्रतीक है। गेलिंग मठ में प्रार्थना भी की गई। शहीदों को पुष्पांजलि और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके आलावा सेना और ग्रामीणों के बीच पवित्र बंधन का प्रतीक ऐतिहासिक गेलिंग मठ में प्रार्थना भी की गई। सेना ने ऊन ग्रामीणों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपने पूर्वजों के साहस और एकता को पहचाना और भारतीय सेना के साथ खड़े रहे हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) तुतिंग, स्कूली बच्चे और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान लोगों ने सियांग घाटी की वीरता, एकता और सांस्कृतिक विरासत की गाथा और शौर्य को देखा। केपांग ला वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-तिब्बत सीमा पर एक अहम दर्रा है। खास बात यह है कि केपांग ला रणनीतिक स्थान यारलुंग त्सांगपो के मार्ग के नजदीक स्थित है। केपांग ला का अरुणाचल प्रदेश के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यारलुंग त्सांगपो को असम में ब्रह्मपुत्र और अरुणाचल प्रदेश में सियांग के नाम से जाना जाता है। यह नदी देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली भारतीय सेना के कई वीर बलिदानियों के शौर्य और पराक्रम की गवाह है।

1962 में सियांग घाटी के लोगों और भारतीय सैनिकों ने अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन किया था। यहां गेलिंग के ग्रामीणों ने न्योगोंग नदी के पास चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों के पैरों के निशान देखे। ग्रामीणों की सूचना पर भारतीय सेना अलर्ट हुई। चीनी सेना से झड़प में आठ भारतीय सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। बलिदान देने वाले सैनिकों में 2 मद्रास रेजिमेंट के सूबेदार शेख सुबानी, हवलदार बी रामलिंगा जी, सिपाही मुर्री राजा, अप्पा राव और एलियास शामिल थे।

कालीघाट स्काईवॉक विजिट किए मेयर फिरहाद हकीम

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : शुरू होगा कालीघाट स्काईवॉक। कोलकाता नगरनिगम के मुख्य प्रशासक फ़िरहाद हकीम ने स्काईवॉक की विजिट किए। आपको बता दे कि यह स्काईवॉक आनेवाले दिन तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए बनाई गई है। इससे कई हद तक सड़क जाम से भी मुक्ति मिलेगी। कालीघाट कोलकाता की व्यस्ततम स्थल है। इसके अलावा यहां स्थित काली मंदिर विश्व प्रसिद्ध हैं। हर साल लाखों भक्त कोलकाता स्थित कालीजी की दर्शन करने आते हैं। देवी की दर्शन करने, कई विदेशी पर्यटक भी यहां आते हैं। दक्षिणेश्वर के बाद कालीघाट की स्काईवॉक आम लोगों के लिए सहूलियत होगी।

डिनर में रोटी या चावल क्या खाना ज्यादा फायदेमंद?

नई दिल्ली : यह सवाल अक्सर हमारे मन में उठता है कि डिनर के लिए रोटी या चावल में से कौन-सा विकल्प ज्यादा हेल्दी है। दोनों ही फूड आइटम्स हमारे भोजन का अहम हिस्सा हैं और इनका नियमित रूप से हम इन्हें अपनी डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि, पोषण की दृष्टि से इनमें क्या अंतर है और कौन-सा विकल्प हमारे लिए ज्यादा फायदेमंद है, इसका फैसला करना मुश्किल हो जाता है। यहां हम जानेंगे कि दोनों में से कौन-सा ऑप्शन डिनर के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। रोटी मुख्य रूप से गेहूं के आटे से बनाई जाती है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स और कुछ मिनरल जैसे आयरन और जिंक पाए जाते हैं। होल व्हीट का आटा ज्यादा फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। चावल में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा ज्यादा होती है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स और मिनरल भी पाए जाते हैं। चावल भी सफेद और ब्राउन दोनों प्रकार के होते हैं। ब्राउन चावल में फाइबर और पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा होती है। रोटी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से बचाता है।

वजन नियंत्रण- फाइबर से भरपूर रोटी खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आपको भूख कम लगती है और वजन नियंत्रण में रहता है। साबुत गेहूं की रोटी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

चावल कार्बोहाइड्रेट का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर को एनर्जी प्रदान करता है। चावल में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत में मदद करता है।

ब्राउन चावल में फाइबर, विटामिन और खनिज अधिक होते हैं जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। रोटी या चावल कौन-सा विकल्प है बेहतर है? दरअसल, यह कहना कि रोटी या चावल में से कौन सा विकल्प बेहतर है, थोड़ा मुश्किल है। दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। यह आपके व्यक्तिगत हेल्थ गोल्स और जरूरतों पर निर्भर करता है कि आप कौन-सा विकल्प चुनें। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको फाइबर से भरपूर होल व्हीट गेहूं की रोटी या ब्राउन चावल का सेवन करना चाहिए।

यदि आप डायबिटीज से पीड़ित हैं, तो आपको प्रोसेस्ड कार्बोहाइड्रेट जैसे सफेद चावल का सेवन कम करना चाहिए और फाइबर से भरपूर फूड आइटम्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। अगर आप एथलीट हैं, तो आपको कार्बोहाइड्रेट की ज्यादा मात्रा में जरूरत होती है। इसलिए आप चावल को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

तेजस्वी यादव के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने काटा केक

मधुबनी: राजद नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी का 35 वां जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए राजद मधुबनी विधानसभा की ओर से केक कटकर पूरे धूमधाम के साथ राजद जिला महासचिव पवन कुमार यादव के अध्यक्षता में आर्थिक न्याय दिवस के रूप में पूर्व मंत्री नगर विधायक समीर कुमार महासेठ के गिलेशन स्थित आवास पर मनाया गया। जन्म दिन मानने के बाद सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा सियासत के मैदान का वह हरफ़नमौला खिलाड़ी जिसके सभी कायल हैं, कल तक का अभिमन्यु आज अर्जुन बनकर अपने लक्ष्य पर लगातार अचूक निशाने मारने वाला जनसेवा का प्रबल योद्धा जिसने देश की राजनीति के केंद्र में एक तरफ नौकरियों और रोजगार को तो दूसरी तरफ सामाजिक एवं आर्थिक न्याय को अकेले बिठा दिया है! पूर्व उप मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी के जन्म दिवस पर आज यह कहना गलत नहीं होगा कि श्री यादव के व्यक्तित्व, राजनीति, सोच और स्वभाव से सभी लोग बहुत ही अल्पकाल में सकारात्मक रूप से प्रभावित हो गए हैं! सभी ने तेजस्वी यादव की खुशहाली, स्वास्थ्य, दीर्घायु होने की कामना की। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को केक खिलाकर खुशियां मनाई। इस मौके पर राजद राजद जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, नगर अध्यक्ष पप्पू कुमार यादव, राजद वरिष्ठ नेता सलेंद्र प्रसाद यादव उर्फ बाबा, युवा जिला प्रधान महासचिव उमेश राम, पूर्णशंकर झा, श्रवण नायक, लालू कुमार यादव, अनुसूचित अध्यक्ष चरित्र सदा, मनोज सदा, राजकुमार साह, सुमन यादव, बिट्टू यादव, देबू यादव, सुधीर यादव, मो. तस्लीम, बिनोद यादव, मो. महताब, मो. गुफरान, मो. शमशाद, रामबहादुर यादव, पुलकित बैठा, संतोष यादव, मो. ऐजाज खान, बिनोद कुमार मंडल, राजकुमार पासवान रामनरेश यादव, राजेंद्र मुखिया, अरविंद यादव, अरुण कुमार यादव, सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रख रखाव के अभाव में ठूंठ की तरह खड़ा है त्रिफला लाइट

निगम की लापरवाही से लैंप पोस्ट में नहीं है बिजली का कनेक्शन

हावड़ा (उमेश तिवारी) : शहर को चकाचक बनाने के लिए हावड़ा नगर निगम ने एक बार थ्री-वे स्ट्रीट लाइटें लगवाई थीं। लेकिन रख-रखाव के अभाव में वे तीन फ्लेयर वाले लैंपपोस्ट आज भी सड़क के किनारे खड़े हैं, लेकिन रोशनी नहीं करते। इसको लेकर शहरवासियों में आक्रोश है।

तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित हावड़ा नगर निगम बोर्ड ने कोलकाता नगर निगम के नक्शेकदम पर चलते हुए 2013 की शुरुआत में पूरे शहर में त्रिफला लाइटहाउस स्थापित करने का निर्णय लिया। नगर निगम के बजट में इसके लिए अलग से राशि भी आवंटित की गयी थी। हावड़ा शहर की मुख्य सड़कों के अलावा गली-मोहल्लों में भी त्रिफला लैंपपोस्ट लगाए गए हैं। लैंप पोस्ट के नीचे सड़क

के दोनों ओर तीन बत्तियाँ जल रही थीं। परिणामस्वरूप, सड़क व्यावहारिक रूप से रोशनी से जगमगा उठी। 2018 में बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, कोई और वोट नहीं थे। नगर निगम का संचालन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक द्वारा किया जाता है। प्रशासकों के कई बदलावों के बाद, वर्तमान में पाँच सदस्यीय प्रशासक मंडल नगर निगम को चलाने का प्रभारी है। लेकिन नगर निगम के प्रशासकों के हाथ में आने के बाद लाइट की निगरानी कम हो गई। ऐसा कुछ शहरवासियों ने कहा। उन्होंने शिकायत की कि पहले तीन फ्लैश वाली लाइटें जलती थीं लेकिन अब अधिकांश लाइटें नहीं जलती हैं। जगह-जगह बल्ब टूटे हुए हैं। प्रकाशस्तंभ सड़क के एक ओर झुका हुआ है। सलकिया बनारस रोड निवासी अशोक दे ने कहा कि सड़क पर त्रिफला लाइट एक साल से अधिक समय से नहीं जल रही है। अधिकांश लाइटें खराब हो गई हैं और शहर की सुंदरता खत्म हो गई है। हावड़ा नगर निगम को बार-बार नोटिस देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसी ही तस्वीरें घुसुड़ी, कदमतला, हावड़ा मैदान, शिवपुर और रामराजतला इलाके में देखी जा सकती हैं। इस पर उन इलाकों के निवासियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। त्रिफला लाइट जलाने से नगर निगम का मासिक बिजली बिल भारी मात्रा में आ रहा था। रोशनी न करने से लागत कम हो जाती है। वर्तमान हावड़ा नगर निगम के प्रशासक सुजॉय चक्रवर्ती ने दावा किया कि त्रिफला लाइटें कई स्थानों पर बंद कर दी गईं लेकिन शहर के कई हिस्सों में जलाई जा रही है।हालाँकि, मानसून के दौरान निचले इलाकों में पानी जमा होने के कारण त्रिफला एलो से करंट लगने से कई लोगों की मौत हो गई। इसके बाद बाढ़ क्षेत्र में त्रिफला लाइट बंद करने का निर्णय लिया गया। हालाँकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि मानसून खत्म होने पर त्रिफला लाइट सर्दियों में फिर से जलाई जाएगी।

सर्दियों में बीमार पड़ने से बचाएगा सहजन की पत्तियों का काढ़ा

नई दिल्ली : सहजन का इस्तेमाल सदियों से एक चमत्कारी औषधि के रूप में किया जा रहा है। इसकी पत्तियों में भरपूर मात्रा में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और अमीनो एसिड पाए जाते हैं जो इसे एक सुपरफूड का दर्जा देते हैं। इन पत्तियों का सेवन सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को दूर करने में मददगार साबित होता है। ऐसे में, आज हम आपको सर्दियों में सहजन की पत्तियों से बना काढ़ा पीने के फायदे और इसे बनाने का सही तरीका बताने जा रहे हैं। सहजन की पत्तियों का काढ़ा बनाने से इनमें मौजूद पोषक तत्व आसानी से शरीर में अवशोषित हो जाते हैं। नियमित रू प से इसका सेवन करने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं। सहजन की पत्तियों का काढ़ा पीने से आपकी हड्डियों को जरूरी पोषण मिलता है, जो इन्हें मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद कैल्शियम बोन डेंसिटी को बढ़ाकर उन्हें मजबूत बनाता है, जबकि फास्फोरस बोन हेल्थ को बेहतर बनाता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम होता है और हड्डियों की मजबूती बनी रहती है। सहजन की पत्तियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। इनका नियमित सेवन करने से आपको ब्लड प्रेशर कम करने में मदद मिल सकती है। यह आपकी ब्लड वेसल्स को हेल्दी रखकर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही, ये आपके कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके दिल की बीमारियों के खतरे को भी कम करता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर से परेशान हैं, तो सहजन की पत्तियों का काढ़ा आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। सहजन की पत्तियों का काढ़ा पेट की कई समस्याओं का रामबाण इलाज है। करूज़, गैस, अपच जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए आप सहज के पत्तों का काढ़ा पी सकते हैं। इसके एंटी-इंफ लेमेटरी गुण पेट में सूजन और जलन को कम करते हैं, जिससे गैस और अपच से आराम मिलता है। सहजन की पत्तियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। इससे हमारी शरीर की कैलोरी बर्न होने की स्पीड बढ़ जाती है और हम ज्यादा तेजी से वजन कम कर पाते हैं। इसके अलावा, इन पत्तियों में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता है जो हमें लंबे समय तक भूख लगने से बचाता है और हम ओवरईटिंग से बच पाते हैं।

सहजन की पत्तियों का काढ़ा पीने से शरीर का खून साफ होता है। इसमें मौजूद गुण विषैले तत्वों को निकालने में मदद करते हैं, जिससे आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा मिलता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स खून में मौजूद हानिकारक पदार्थों को निकालकर उसे शुद्ध करते हैं। ऐसे में, नियमित सेवन से आप हेल्दी और एनर्जेटिक महसूस कर सकते हैं। सहजन का काढ़ा बनाना बहुत आसान है। आप ताजी या सूखी सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस कुछ पत्तियों को पानी में उबाल लें और फिर इस काढ़े को छानकर पी लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ी-सी मात्रा शहद की भी मिला सकते हैं।

सियालदह रेल मंडल ने अत्याधुनिक रिमोट शंटिंग मानिटरिंग सिस्टम की शुरुआत की

दुर्घटना की रोकथाम में गेम-चेंजर साबित हो रही है यह उन्नत प्रणाली

कोलकाता : सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने फोकस (परामर्श और सुरक्षा बनाए रखने के लिए फील्ड अवलोकन) के माध्यम से अत्याधुनिक रिमोट शंटिंग मानिटरिंग सिस्टम की शुरुआत की है। इसी के साथ सियालदह मंडल यह अत्याधुनिक प्रणाली लागू करने वाला पूर्व रेलवे नेटवर्क का पहला डिवीजन बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभिनव तकनीक में रणनीतिक रूप से चुने गए दस स्टेशनों पर शंट मैन और उनकी गतिविधियों की चौबीसों घंटे निगरानी शामिल है। डिवीजनल कंट्रोल रूम को वास्तविक समय की फुटेज प्रदान करने के लिए इन्फ्र रेड नाइट विजन और टाकबैक क्षमताओं से लैस हाई-टेक कैमरे लगाए गए हैं। यह उन्नत प्रणाली दुर्घटना की रोकथाम में गेम-चेंजर साबित हो रही है। शंटिंग संचालन की निरंतर निगरानी करके, संभावित जोखिमों की पहचान की जाती है और उसका त्वरित समाधान किया जाता है। रिमोट मानिटरिंग सिस्टम कंट्रोल रूम और आन-साइट स्टाफ के बीच निर्बाध संचार की सुविधा भी देता है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है। एक बयान में कहा गया कि यह पहल यात्रियों और माल दोनों के लिए एक विश्वसनीय और सुरक्षित रेलवे नेटवर्क प्रदान करने की सियालदह डिवीजन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का सफल कार्यान्वयन सियालदह मंडल के डीआरएम दीपक निगम के मार्गदर्शन और सीनियर डीओएम अक्षत मलिक के नेतृत्व में किया गया है।

जन्म दिन पर पर्यावरण को बचाने के लिए एक पेड़ देश के नाम

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से जिला मधुबनी अंधराठाढ़ी के नगर सह मंत्री शुभम कुमार ने अपना जन्मदिन अनोखे तौर पर पेड़ लगा कर मनाया। जन्मदिन के अवसर पर एक पौधा देश के नाम लगा गया लोगों को संदेश देते हुए पर्यावरण सुरक्षित रखने की सलाह दी। इस अवसर पर संस्था के सदस्यो ने जन्मदिन की बधाई एवम् लम्बी उम्र की शुभकामनाएं दिये उत्तर बिहार प्रांत के संगठन मंत्री धीरज जी ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हमलोगों का दायित्व है और हम लोगो को हर साल कम से कम एक पौधा अपने जन्मदिन पर लगाना चाहिए। इस दौरान जिला संयोजन निखिल झा , विस्तारक कुणाल जी, अमित जी , सूरज जी एवं राहुल जी इस मौके पर उपस्थित रहें।

शालीमार में दो गुटों के हिंसक झड़प जमकर बरसे ईंट-पत्थर, कई लोग घायल

हावड़ा : हावड़ा शहर के बी गार्डेन थाना अंतर्गत शालीमार के गेट नंबर पांच के नेपाली बस्ती इलाके में शनिवार रात करीब आठ बजे गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई।इस दौरान दोनों तरफ से जमकर ईंट-पत्थर बरसाए गए, जिससे पूरा इलाका रणक्षेत्र बन गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। झड़प में दोनों पक्षों के कई लोगों के घायल होने की खबर है। मौके पर पहुंचे भारी पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया।बताया जा रहा है कि सुलतान और अपर्णा गुट के बीच यह मारपीट व झड़प की घटना घटी, जिसने हिंसक रूप ले लिया। हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हावड़ा सिटी पुलिस की ओर से बताया गया कि घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, दो समूहों के बीच अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर कहासुनी शुरू हुई जो पत्थरबाजी तक पहुंच गई। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद है। पुलिस के अनुसार, स्थिति नियंत्रण में है। घटना में शामिल लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

छठ पूजा के पावन अवसर पर छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण

हावड़ा : आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर मध्य हावड़ा 29 नंबर वार्ड के डाक्टर पी.के बनर्जी रोड स्थित इस यंग स्टार ऐसोसिएशन की ओर से विगत कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी छठव्रतियों के बीच सामग्रियों का वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष अमित जायसवाल ने कहा कि विगत 14 वर्षों से इस संस्था के बैनर तले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की सुविधा हेतु व गरीबों के बीच वस्तुओं को वितरण किया जाता है। मूलत: छठ पूजा के पावन अवसर पर इस बार भी यह कैंप लगाया गया। जहां सैकड़ों लोगों के बीच पूजन सामग्रियों को वितरण किया गया। जिसमें केला का घौद, सूप ईख, साड़ी, फल-फूल एवं अन्य सामग्री मौजूद थी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अमित जायसवाल, रामबच्चन ठाकुर, संतोष सिंह, चंदन चौहान, बलराम साव, सागर साव, लोकनाथ गुप्ता, संदेश साव, सूरज साव, उत्पल व संस्था के अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की शुरूआत के साथ ही समापन उगते हुए सूर्य देव की पूजा अर्चना के बाद होती है। इन दौरान, तीन दिनों तक यह कैंप चलता है, जहां पूजन की सभी सामग्री उपलब्ध रहती है। साथ ही, उगते सूरज को अर्थ देने के बाद घर लौटते हुए लोगों के लिए यहां नाश्ते का भी प्रबंध किया जाता है।

राष्ट्रभक्तों द्वारा संपर्क संगोष्ठी सम्मेलन का आयोजन

पूज्यपाद जगदगुरु शंकराचार्य गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज जी के द्वारा घोषित भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए जन जागरण की भावना से उनके शिष्य श्री प्रेमचंद्र झा जी द्वारा दरभंगा बिहार के विभिन्न विद्वानों, और राष्ट्रभक्तों द्वारा संगोष्ठी सम्मेलन एवं संपर्क के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने महाराज श्री के अभियान को विस्तृत रूप से रखा एवं सभी ने हिंदू राष्ट्र के लिए अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाने का वचन लिया। इसी क्रम में उन्होंने समाज के विशिष्ट सनातनियों के बीच में उन्होंने कहा सभी समस्या का मूल समाधान जल्द से जल्द भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है । विधर्मियों द्वारा चलाए जा रहे अनेक प्रकार के योजनाएं सनातनियों को कमजोर करने के लिए देश में चल रहा है, अलग-अलग मोर्चे पर यदि हम संघर्ष करेंगे तो समय भी बहुत लगेगा इसलिए सभी समस्या का समाधान भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करवाना एवं सनातन परंपरा से शासन स्थापित करना है। इसमें प्रमुख रूप से कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो लक्ष्मी निवास पांडे जी , रजिस्ट्रार डॉक्टर बीपी त्रिपाठी जी, डॉक्टर शिवलोचन झा जी ,डॉक्टर पवन कुमार झा जी, प्रिंसिपल श्री दिनेश जी , डॉक्टर रामसेवक झा जी, श्री गुलाब ठाकुर जी, श्री कमल बाबू झा जी, डीडीसी श्री चिरंगुम कुमार जी, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज श्री रमाकांत शर्मा जी, श्री मुकेश कुमार जी, डॉक्टर घनश्याम जी, श्री विष्णु कांत झा जी, श्री हरी बाबू राय जी ,श्री फूल कुमार झा जी, श्री गोपाल झा जी, अधिवक्ता श्री रंजीत कुमार झा जी, श्रीमती साधना करण, श्री सुशील झा जी एवं अन्य बहुत सारे भक्त सक्रिय रहे ।हर हर महादेव।

एलन मस्क के दो लाख रुपये गिर जाएं तो वह उसे उठाएंगे नहीं, कारण जानकर आप भी कहेंगे- क्या अमीरी है!

नई दिल्ली : दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपति इस समय बहुत तेजी से बढ़ रही है। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनाव जीतने के बाद इनकी संपत्ति में और तेजी आई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार मस्क की नेटवर्थ 313 बिलियन डॉलर है। अमेजन के जेफ बेजोस 224 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल कमाई में अभी तक एलन मस्क सबसे आगे रहे हैं। एक जनवरी 2024 से लेकर अब तक उन्होंने 84.3 बिलियन डॉलर (करीब 7.12 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की है। इस साल कमाई करने के मामले में दूसरे नंबर पर एनवीडिया के जेसन हुआंग हैं। जेसन ने इस साल 80 बिलियन डॉलर की कमाई की है। मस्क ने इस साल करीब 7.12 लाख करोड़ रुपये की कमाई की है। अगर हम इस कमाई को इस साल के 320 दिन की कमाई (नवंबर के 14 दिन और दिसंबर के 31 दिनों को छोड़कर) मान लें तो मस्क ने रोजाना करीब 2226 करोड़ रुपये कमाए हैं। ऐसे में उन्होंने 92.73 करोड़ रुपये हर घंटे, 1.54 करोड़ रुपये हर मिनट और करीब 2.58 लाख रुपये हर सेकेंड कमाए। यानी अपने देश में बड़ी पोस्ट पर बैठे किसी कॉर्पोरेट एम्प्लॉई की जितनी महीने की सैलरी होती है, उतनी मस्क ने मात्र एक सेकेंड में कमा डाली।

2 लाख रुपये क्यों नहीं उठाएंगे मस्क?

अब मान लीजिए कि मस्क के रास्ते में दो लाख रुपये गिर जाते हैं, तो वह रकम रकम को उठाने में अपना समय बर्बाद नहीं करेंगे। क्योंकि उस रकम को उठाने में कम से कम 4 या 5 सेकेंड का समय तो लगेगा ही। इतनी देर में मस्क 10 लाख रुपये से ज्यादा कमा लेंगे। ऐसी है मस्क की अमीरी।

क्यों आई मस्क की कमाई में तेजी?

ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद मस्क की प्रमुख कंपनी टेस्ला के शेयरों में काफी तेजी आई है। 4 नवंबर को टेस्ला के एक शेयर की कीमत 242.84 रुपये थी। अगले दिन यानी 5 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आए थे। इसमें ट्रंप ने जीत हासिल की। ट्रंप को जिताने में मस्क का भी काफी योगदान रहा है। अब टेस्ला के शेयर की कीमत 320.72 रुपये है। यानी दो हफ्ते से भी कम समय में टेस्ला के शेयरों में 32 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके कारण ही मस्क की संपत्ति में तेजी आई है।

मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के नाम पर यूं पल रहा महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों का कल्चर

नई दिल्ली : जहां एक ओर देशभर के डॉक्टर अस्पतालों में सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं कई मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के नाम पर नए आने वाले छात्रों के शोषण का चौंकाने वाला सच सामने आया है। इन छात्रों के साथ कॉलेज में जिस तरह का सलूक सीनियर्स करते हैं वो बेहद हैरान करने वाला है। रैगिंग के नाम पर सीनियर्स नए छात्रों को अश्लील गालियों से भरी किताबें याद करने और जोर से पढ़ने के लिए मजबूर करते हैं। इन किताबों में महिलाओं के खिलाफ, खास तौर पर उनके साथ पढ़ने वाली छात्राओं और नर्सों को लेकर कमेंट होते हैं। इसमें यौन हिंसा की तारीफ की जाती है। लैंगिक हिंसा के जानकार इन रैगिंग और अश्लील किताबों को 'रेप कल्चर' को बढ़ावा देने वाला बताते हैं। नए छात्रों को 'मेडिकल साहित्य' या 'पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम' नाम से इन किताबों को याद करने और हमेशा अपने पास रखने को कहा जाता है। ये किताबें नए छात्रों को हर उम्र की महिलाओं को सिर्फ एक सेक्स ऑब्जेक्ट की तरह देखने के लिए उकसाती हैं। उदाहरण के लिए, इन किताबों में का मतलब 'बड़ी होकर माल बनेगी' बताया जाता है। चौंकाने वाली बात ये है कि इस किताब में यही एकमात्र ऐसा शॉर्ट टर्म है जिसका पूरा नाम लिखा जा सकता है। नए छात्रों के मुताबिक, उन्हें जोर से इस किताब को पढ़ने के लिए मजबूर किया जाता है। अगर वो इसे पढ़ते हुए लड़खड़ा जाते हैं या हंसते हैं, तो उन्हें फिर शुरू से पढ़ना पड़ता है।

नए स्टूडेंट्स के मुताबिक, इन किताबों में 0–15 आयु वर्ग की लड़कियों के स्तनों के विकास की तुलना फलों और सब्जियों से की गई है। इनमें शवों का भी अनादर किया गया है। महिलाओं के बारे में, जिनमें उनके साथ पढ़ने वाली छात्राएं भी शामिल हैं, हर संदर्भ में हिंसक, जबरदस्ती यौन कृत्यों और गुप्तांगों का घृणित भाषा में वर्णन किया गया है। नर्सों को हमेशा 'उपलब्ध' और डॉक्टरों की ओर से यौन उत्पीड़न के लिए तैयार, और चाहत रखने वाली महिलाओं के रूप में पेश किया गया है। ब्लैंक नॉइज की संस्थापक जैस्मीन पथेजा, जो कॉलेजों में 'कैंपस ऑफ बिलॉन्गिंग' नाम से एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के नाम हो रहे ऐसे कृत्य को रेप कल्चर को बढ़ावा देने वाला बताया है। एक वरिष्ठ महिला डॉक्टर ने कहा कि जब मरीज ऑपरेशन टेबल पर बेहोश पड़े होते हैं, तो उनके शरीर के बारे में मजाक उड़ाना सबसे घटिया हरकतों में से एक है। ऐसा मैंने पुरुष एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और सर्जनों को करते देखा है। इसी तरह की ग्रूमिंग में ऐसे डॉक्टर बनते हैं, जो ऐसी हरकतें करते हैं।

एक और डॉक्टर ने अपने कॉलेज के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि स्टूडेंट के तौर पर हम पुरुष डॉक्टरों के आसपास खड़े रहते थे जो जवान औरतों को अपने कपड़े उतारने के लिए कहते थे। वो हमें 'स्तन की जांच' करना सिखाते थे। महिलाओं को उनकी मर्जी के बिना और अनावश्यक रूप से छुआ जाता था। फोरम फॉर मेडिकल एथिक्स सोसाइटी की सुनीता शील बंदेवार ने कहा, 'जो सीनियर्स इस तरह के घिनौने रैगिंग में शामिल होते हैं, वे अपने कार्यक्षेत्र में महिला सहयोगियों के लिए खतरा हो सकते हैं।'

भारत का सबसे गरीब जिला अलीराजपुर !

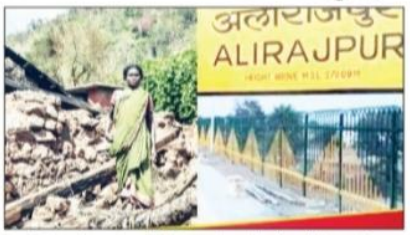

भोपाल : भारत में कुल 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं. इन राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 797 जिले हैं. क्या आपको पता है इस देश में एक ऐसा जिला है, जिसे सबसे गरीब जिला माना जाता है? जिसे जानकर आप हैरान हो जाएंगे, इस जिला में कोई भी शहर नहीं, बल्कि एक छोटा सा गांव है, यह जिला गरीबी के हर पैमाने पर सबसे नीचे है, लेकिन इसे जिले को लेकर चर्चा इन दिनो जोरों पर है. आप सोचेंगे, भारत में तो बड़े-बड़े शहरों में गरीबी हो सकती है, लेकिन इस छोटे से जिले का नाम सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। इस स्टोरी में हम आपको बताएंगे कि वह जिला कौन सा है, जो गरीब होने के बावजूद अपनी अनोखी पहचान बना चुका है. तो आइए, जानें भारत के सबसे गरीब जिले का नाम?

भारत का सबसे गरीब जिला मध्य प्रदेश का अलीराजपुर है। नीति आयोग की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, अलीराजपुर जिले में गरीबी की दर सबसे अधिक है। इस जिले की कुल आबादी लगभग 7 लाख 28 हजार है, जिसमें से 71 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

सबसे कम साक्षरता दर : अलीराजपुर जिले की स्थिति कई कारणों से चिंताजनक है. यहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है. सड़कों की हालत खराब है, बिजली की आपूर्ति अनियमित है, और शिक्षा के क्षेत्र में भी यह जिला काफी पिछड़ा हुआ है. यहां की साक्षरता दर 36 प्रतिशत है जो कि भारत में सबसे कम है.

आधुनिक तकनीकों का अभाव : इस जिले की गरीबी का एक बड़ा कारण यहां की भौगोलिक स्थिति और संसाधनों की कमी है। अलीराजपुर एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहां के लोग मुख्यत: कृषि और मजदूरी पर निर्भर हैं। लेकिन कृषि के लिए जरूरी संसाधनों की कमी और आधुनिक तकनीकों का अभाव यहां की गरीबी को और बढ़ा देता है. सरकार द्वारा इस जिले के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन अभी भी यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्र में सुधार की बहुत जरूरत है ताकि यहां के लोग गरीबी के चक्र से बाहर निकल सकें।

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट– बी. गार्डेन, शिबपुर, हावड़ा–711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा–711101 से मुद्रित, सम्पादक–* ***उमेश तिवारी,*** *फोन– 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट–www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)